

बुद्धि और संस्कृति में संबंध (Relation between Culture & Intelligence)

- बुद्धि की एक प्रमुख विवेषता यह है कि यह पर्मावर्णों से अनुकूलित (Adapt to their environment) होने में व्यक्ति की सहायता करती है।
- व्यक्ति का सास्कृतिक पर्यावरण (Cultural Environment) बुद्धि के विकास से सहायता प्रदान करता है।
- उदाहरण के लिए तकनीकी रूप से (Technologically Less Advanced Societies) कम विकसित समाज में सामाजिक अंतर्वयवितक संबंधों (Socially Interpersonal Relation) को बढ़ाने वाले सामाजिक (Social) तथा सांवेदिक कौशलों (Emotional Skills) को उचित महत्व प्रदान किया जाता है।
- उबले की तकनीकी रूप से विकसित समाज (Technologically Advanced Societies) में तर्कीय (Reasoning) तथा नियन्त्रण लेने (Decision Making) की योग्यताओं पर आधारित व्यक्ति उपलब्धियों (Personal Performance), को बुद्धि समझा जाता है।
- वाइग्नाट्स्की (Vygotsky) के अनुसार, कुछ प्रारंभिक मानसिक प्रक्रियाएँ (Elementary Mental Functions) सर्वत्यापि (Universal) होती हैं जैसे रोता, चलना, दौड़ना आदि।
- पुरुष उच्च मानसिक प्रक्रियाएँ (Higher Mental Function) जैसे - समस्या का समाधान करने (Problem Solving) तथा चिंतन करने (Thinking), करने की शैलियाँ (Style) मुख्यतः संस्कृति की देश हैं।
- इतिहास तथा अप्पीका के अनेक समाजों में तकनीकी बुद्धि (Technological Intelligence) को उतना महत्व नहीं देया जाता।

ज्ञानोपदिष्टम् श्रीमाति श्रीपति गुरु

[भारतीय परंपरा में कुछ]

१. भारतीय कुछ के सम्प्रत्यय के विपरीत भारतीय परंपरा में कुछ को निरस प्रकार समझा जाता है उसे समाकलित कुछ (Integral Intelligence) कहा जाता है
२. अंग्रेजों द्वारा के शब्द 'इंटीलिजेंस' के स्थान पर संस्कृत माध्यम के जिस 'कुछ' शब्द का उपयोग किया जाता है उसका अर्थ त्यापन (वृद्धि) है।
३. मवादुर मनोवैज्ञानिक प्रो. डॉ. पी. एस के अनुसार कुछ में कुछ विकास कोशल जैसे मानसिक प्रयास (Mental Effort), निरिचत किया (Determined Action), सकानामक क्षमताएँ आदि समिक्षित होती हैं।
४. भारतीय परंपरा में निम्नलिखित चार क्षमताएँ कुछ के अन्तर्गत स्वीकार की जाती हैं -

(A) संकानात्मक क्षमता (Cognitive Capacity):

इसके अन्तर्गत संवेदनशीलता, समझौता, विश्वेदन क्षमता, समर्पण-समाधान की योग्यता, तथा प्रभावी संप्रेषण / बातचीत की योग्यता (Communication).

(B) सामाजिक क्षमता (Social Competence):

इसके अन्तर्गत सामाजिक व्यवस्था के प्रति सम्मान, अपने से बड़े, छोटे तथा वंचित व्यक्तियों के प्रति व्यवहार, या जवाबदेही (Commitment), दूसरों की चिंता, दूसरे व्यक्तियों के परिस्तेष्य / दृष्टिकोण (Perspectives) का सम्मान।

(C) सांवेदिक क्षमता (Emotional Competence):

अपने संकानों पर आत्म-नियमन (Self Regulation), आत्म-परिवीक्षण (Self Monitoring), ईमानदारी, विभृता (Politeness), अच्छा आचरण (Good Conduct) तथा आत्म-मूल्यांकन (Self-Evaluation)

(D) उद्यमी क्षमता (Entrepreneurial Competence):

अन्तर्गत प्रतिवद्धता (Commitment), कठीन मेहनत, धृति, निश्चानी करने की क्षमता (Vigilance) तथा लक्ष्य-निर्दिष्टता (Focus)

सांवेदिक कुट्टि

Emotional Intelligence - E.I

- i.) सांवेदिक कुट्टि (E.I) पद का प्रतिपादन सैलो भी तथा मीयर (Salovey & Mayer, 1990) द्वारा किया गया।
ii.) सैलो द्वी तथा मीयर के अनुसार, उपर्युक्त दो से दो व्यक्तियों के संवेदितों की जाँच करने और उनमें अंतर करने की क्षमता ही सांवेदिक कुट्टि है।
iii.) सांवेदिक लक्षित (Emotional Quotient - E.Q) का उपयोग किसी व्यक्ति की सांवेदिक कुट्टि की मात्रा बताने में उसी प्रकार किया जाता है। ऐसे प्रकार कुट्टि लक्षित (I.Q) का उपयोग कुट्टि की मात्रा बताने में किया जाता है।
iv.) सांवेदिक कुट्टि का निमाओं समान्य कुट्टि की मार्तिय प्रम्परा की अवधारणा से निर्मित हुआ है।
- सांवेदिक कुट्टि के तत्त्व (Elements of Emotional Intelligence)

मुनोवेन्नानिकों ने सांवेदिक कुट्टि के तत्त्वों को दो भागों में बाटा है।

(A) वैयक्तिक तत्त्व (Personal Components)

(B) अन्तर्वैयक्तिक (Interpersonal Components)

(A) वैयक्तिक तत्व
(Personal Components)

Dt. _____
Pg. _____

डिमालिंगिटा तत्व समिलित है।

- (i) अपने संवेदी से जाग्रूक | उपर्युक्त दीना
- (ii) अपने संवेदी पर पूरा नियन्ता रखना।
- (iii) आत्म अभिप्रेति करना।

(B) अन्तर्वैयक्तिक तत्व (Inter personal
Components)

- (i) प्राकृतिकी (Empathy) अपार दूसरों के संवेदी की पहचान करना।
- (ii) दूसरों के सम्मान और संबंध को बोलाकर बढ़ाना।

विशेष क्षमताएँ

Special Abilities

मनोवैज्ञानिकों द्वारा कुछ विशिष्ट तरह की क्षमताओं का होना उत्तम निपादन (Performance) के लिए आवश्यक बतलाया है। इनमें अभिक्षमता (Aptitude) तथा अभिसूचि

अभिक्षमता (Aptitude) :- विशेषताओं का ऐसा संयोजन है जो स्थिर द्वारा प्रशिक्षण (Training) के उपरांत/ नाड़ियसी विशेषक्षेत्रों के बोन उपर्या कोशल (Skills) के

अज्ञान की क्षमता को प्रदक्षिति करता है।
→ अधिक्षमता का मापन अधिक्षमता परीक्षण (Aptitude Test)

द्वारा किया जाता है।

→ अधिक्षमता परीक्षण के दो प्रकार हैं -

A. स्वतंत्र अधिक्षमता परीक्षण (Independent Aptitude Test)

B. बहु अधिक्षमता परीक्षण (Multiple Aptitude Test)

A. स्वतंत्र अधिक्षमता परीक्षण (Independent Aptitude Test) :-

ये विशिष्ट प्रकार के परीक्षण (Test) होते हैं जिसके माध्यम से किसी एक तरह की अधिक्षमता का मापन होता है। जैसे, लिपिकीय अधिक्षमता परीक्षण (Clerical Aptitude Test), यांत्रिक अधिक्षमता परीक्षण (Mechanical Aptitude Test), संखगतिक अधिक्षमता परीक्षण (Numerical Aptitude Test), तथा टाइपिंग अधिक्षमता परीक्षण (Typing Aptitude Test) आदि।

B. बहु अधिक्षमता परीक्षण (Multiple Aptitude Test) :- बहु अधिक्षमता परीक्षण का टिमिंग परीक्षण माला (Test Battery) के रूप में किया जाता है। जिस के द्वारा कई अलग-अलग अधिक्षमताओं का मापन होता है। जैसे डिफरेंसियल एटीट्यूड टेस्ट बैटरी (Differential Aptitude Test Battery - DATB), जेनरल एटीट्यूड टेस्ट बैटरी (General Aptitude Test Battery - GATB), आर्म्ड सर्विसेज वोकेशनल एटीट्यूड टेस्ट बैटरी (Armed Services Vocational Aptitude Test Battery - ASVAB)।

→ DAT का भी प्रचलित परीक्षण है जिसका उपरोक्त शैक्षक परिषिथि में काफी होता है।

→ DAT परीक्षमाला में आठ स्वतंत्र उप-परीक्षण (Sub-Test)

हैं। ① वाचिक तर्कों (Verbal Reasoning), ② आंकिक

तर्कशाला (Numerical Reasoning), अमूर्त तर्कशाला (Abstract Reasoning), लिपकीय हाति एवं परिशुद्धता (Clerical Speed and Accuracy), स्थानिक संबंध (Spatial Relations), यांत्रिक तर्कशाला (Mechanical Reasoning), भाषा प्रयोग (Language Usage) → प्रोफेसर जे.एम.ओझा (Prof. J.M. Ojha) ने DAT का भारतीय अनुकूलन (Indian Adaptation) किया है।

अभिमुख्य (Interest) :- से तात्पर्य किसी विशेष तरह की किया करने की प्रसंदगी (Preference) से होता है।

तिथक्षणीय - किसी छक्की में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति में अभिमुख्यता के साथ ही सच्च अभिमुख्य का गुण होना आवश्यक है।

संज्ञानात्मकता (Creativity)

का अर्थ ① मौलिक विचारों को सामने लाना (Bringing out Original Ideas)

② कुछ बेहतर बनाना (Make Something Better)

③ अलग सोच (Divergent Thinking) / अपसरण चिंतन

④ संज्ञानात्मकता में व्यक्ति कुछ नया एवं मिन्हांचीजों की रचना करता है

⑤ संज्ञानात्मकता में व्यक्ति समस्या के समाधान के क्षितिज दिशाओं (Divergent Directions) में चिंतन करता है।

संज्ञानात्मकता एवं तुष्टि
अथवा

क्या संज्ञानात्मक व्यक्ति को तुष्टि
की आवश्यकता है?

अद्यतनों से पृष्ठ स्पष्ट हुआ है कि एक सीमा तक संज्ञानात्मकता तथा तुष्टि में धनात्मक संबंध (Positive Relation) होता है।

⑩ समूची सज्जनात्मक कियाओं के लिए तुष्टि की जरूरत पड़ती है जैसे एक लेखक को माणवों

Dt.

Pg.

की क्षमता अवश्य होनी चाहिए।

⑪ तुष्टि तथा सज्जनात्मकता के संबंध पर टरमेन (Terman) ने 1920 में महत्वपूर्ण शोध किये तथा बतलाया कि जिन व्यक्तियों में उच्च तुष्टिलिंग प्राप्तांक (High IQ Scores) होते हैं, वे सज्जनात्मक होंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता है।

⑫ सज्जनात्मकता को मापने के लिए कई तरह के परीक्षाएं (Test) विकसित किए गए हैं, जिनमें टर्रांस परीक्षा (Torrance test) तथा गिलफोर्ड परीक्षा (Guilford Test) मुख्य हैं।

⑬ इन सभी परीक्षाओं की एक सामान्य विशेषता यह है कि वे समीक्षा मुक्त - अधिकमुख्यी (Open-Ended) होते हैं क्योंकि वे व्यक्ति को विभिन्न दिशाओं में समर्थ्या का उत्तरदृढ़ी के लिए सोचने में मदद करते हैं।

सज्जनात्मक परीक्षाएं

तुष्टि परीक्षाएं

⑭ मुक्त-आत (Open - Ended)

होते हैं अर्थात् इन परीक्षाओं में

व्यक्ति को स्वतंत्रता होती है कि

वह किसी प्रश्नान् या समर्थ्या के

संबंध में अपने अनुभवों के आधार

पर उसके विभिन्न उत्तरों के बीच में

मुक्त स्वतंत्र होकर जिस प्रकार चाहे

सोचे।

⑮ कोई निश्चित उत्तर होता है

⑯ अपसारी विंतन का उपयोग

⑰ बंद-आत प्रश्नान् (Close

- Ended) होते हैं अर्थात्

इन परीक्षाओं में व्यक्ति को

किसी प्रश्न का सदी उत्तर

छोड़ना होता है।

⑱ निश्चित उत्तर होता है

⑲ अधिसारी विंतन

का उपयोग